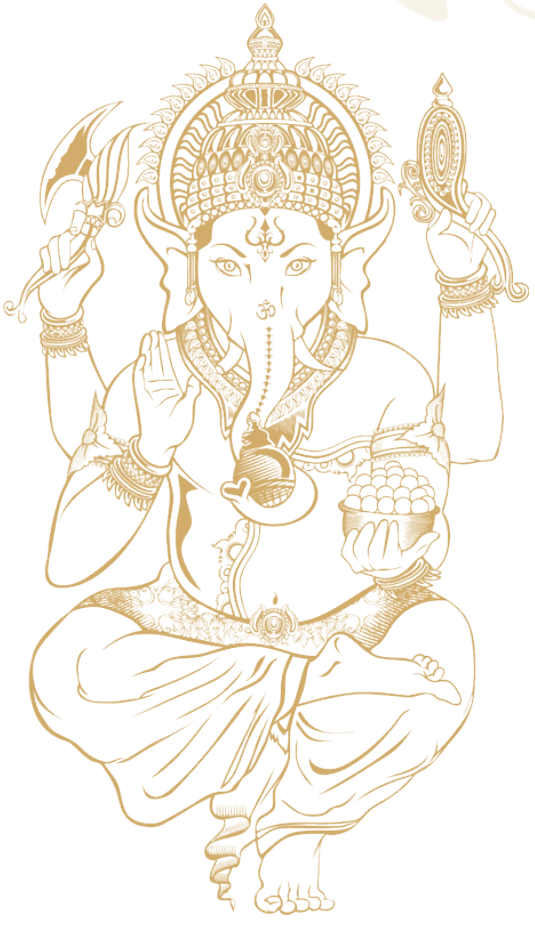

SAYAN BASU

27 Oct 1993

06:20 AM

Nagpur

Model: web-freekundliweb

Order No: 121053402

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**27/10/1993**
दिन	बुधवार
जन्म समय	**06:20:00 घंटे**
इष्ट	00:15:31 घटी
स्थान	**Nagpur**
राज्य	Maharashtra
देश	India

अक्षांश	21:10:00 उत्तर
रेखांश	79:12:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:13:12 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	06:06:48 घंटे
वेलान्तर	00:16:08 घंटे
साम्पातिक काल	08:28:23 घंटे
सूर्योदय	06:13:47 घंटे
सूर्यास्त	17:40:18 घंटे
दिनमान	11:26:31 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	09:50:49 तुला
लग्न के अंश	10:28:45 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**मीन - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**पू०भाद्रपद - 4**
नक्षत्र स्वामी	गुरु
योग	व्याघात
करण	बालव
गण	मनुष्य
योनि	सिंह
नाड़ी	आद्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	सर्प
युँजा	अन्त्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	दी-दीपांकर
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - लौह
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृश्चिक

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	10:28:45	326:54:54	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	शनि	---
सूर्य			तुला	09:50:49	00:59:51	स्वाति	1	15	शुक्र	राहु	गुरु	नीच राशि
चंद्र			मीन	01:52:10	11:51:44	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	राहु	सम राशि
मंगल		अ	तुला	26:51:20	00:42:14	विशाखा	3	16	शुक्र	गुरु	शुक्र	सम राशि
बुध	व		तुला	28:39:18	00:09:06	विशाखा	3	16	शुक्र	गुरु	शुक्र	मित्र राशि
गुरु		अ	तुला	03:08:57	00:13:01	चित्रा	3	14	शुक्र	मंगल	शुक्र	शत्रु राशि
शुक्र			कन्या	19:55:30	01:14:44	हस्त	3	13	बुध	चंद्र	केतु	नीच राशि
शनि	व		मक	29:51:35	00:00:07	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	शनि	स्वराशि
राहु	व		वृश्चि	09:35:24	00:05:13	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	शुक्र	शत्रु राशि
केतु	व		वृष	09:35:24	00:05:13	कृतिका	4	3	शुक्र	सूर्य	शुक्र	सम राशि
हर्ष			धनु	24:49:20	00:01:29	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	बुध	---
नेप			धनु	24:48:04	00:00:53	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	बुध	---
प्लूटो			वृश्चि	00:47:48	00:02:17	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	मंगल	---
दशम भाव			कर्क	10:58:50	--	पुष्य	--	8	चंद्र	शनि	सूर्य	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:46:29

लग्न-चलित

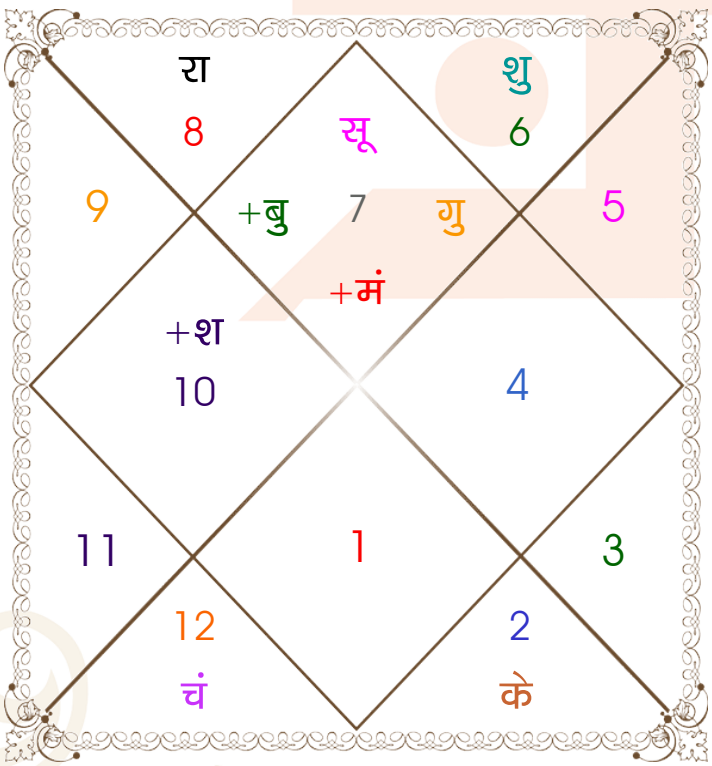

चन्द्र कुंडली

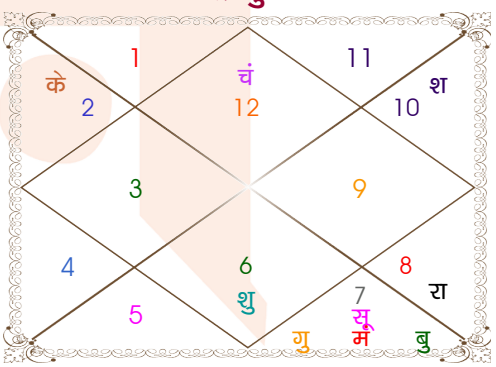

नवमांश कुंडली

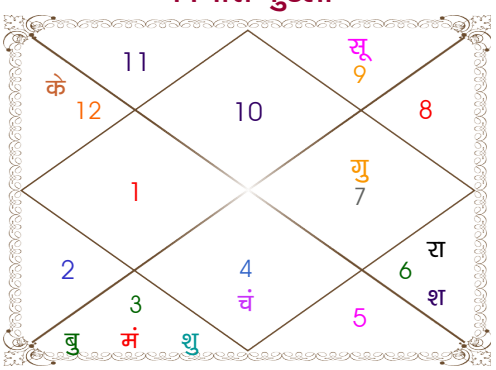

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : गुरु 1 वर्ष 9 मास 2 दिन

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
27/10/1993		30/07/1995		30/07/2014		30/07/2031		30/07/2038	
30/07/1995		30/07/2014		30/07/2031		30/07/2038		30/07/2058	
	00/00/0000	शनि	02/08/1998	बुध	26/12/2016	केतु	27/12/2031	शुक्र	29/11/2041
	00/00/0000	बुध	11/04/2001	केतु	23/12/2017	शुक्र	25/02/2033	सूर्य	29/11/2042
	00/00/0000	केतु	21/05/2002	शुक्र	23/10/2020	सूर्य	03/07/2033	चंद्र	30/07/2044
	00/00/0000	शुक्र	21/07/2005	सूर्य	29/08/2021	चंद्र	01/02/2034	मंगल	29/09/2045
	00/00/0000	सूर्य	03/07/2006	चंद्र	29/01/2023	मंगल	30/06/2034	राहु	29/09/2048
	00/00/0000	चंद्र	01/02/2008	मंगल	26/01/2024	राहु	18/07/2035	गुरु	31/05/2051
	00/00/0000	मंगल	12/03/2009	राहु	14/08/2026	गुरु	23/06/2036	शनि	30/07/2054
	27/10/1993	राहु	17/01/2012	गुरु	19/11/2028	शनि	02/08/2037	बुध	30/05/2057
राहु	30/07/1995	गुरु	30/07/2014	शनि	30/07/2031	बुध	30/07/2038	केतु	30/07/2058

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
30/07/2058		30/07/2064		30/07/2074		30/07/2081		30/07/2099	
30/07/2064		30/07/2074		30/07/2081		30/07/2099		28/10/2113	
सूर्य	17/11/2058	चंद्र	30/05/2065	मंगल	26/12/2074	राहु	11/04/2084	गुरु	18/09/2101
चंद्र	18/05/2059	मंगल	29/12/2065	राहु	14/01/2076	गुरु	05/09/2086	शनि	31/03/2104
मंगल	23/09/2059	राहु	30/06/2067	गुरु	20/12/2076	शनि	12/07/2089	बुध	07/07/2106
राहु	17/08/2060	गुरु	29/10/2068	शनि	29/01/2078	बुध	29/01/2092	केतु	13/06/2107
गुरु	05/06/2061	शनि	30/05/2070	बुध	26/01/2079	केतु	16/02/2093	शुक्र	11/02/2110
शनि	18/05/2062	बुध	30/10/2071	केतु	24/06/2079	शुक्र	16/02/2096	सूर्य	30/11/2110
बुध	25/03/2063	केतु	30/05/2072	शुक्र	23/08/2080	सूर्य	10/01/2097	चंद्र	31/03/2112
केतु	30/07/2063	शुक्र	29/01/2074	सूर्य	29/12/2080	चंद्र	12/07/2098	मंगल	07/03/2113
शुक्र	30/07/2064	सूर्य	30/07/2074	चंद्र	30/07/2081	मंगल	30/07/2099	राहु	28/10/2113

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल गुरु 1 वर्ष 9 मा 4 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म स्वाती नक्षत्र के द्वितीय चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। तुला लग्न के उदय काल मेदिनीय क्षितिज पर मकर नवमांश एवं कुंभ का द्रेष्काण भी उदित था। जो आपके लिए विशिष्ट प्रकार का सौभाग्य प्राप्ति का संकेत प्रदान कर रहा है। इसके प्रभाव से आपके जीवन में स्वास्थ्य, आरोग्य, धन एवं वासनात्मक सुखों से युक्त सुसज्जित जीवन का संकेत प्राप्त होता हैं।

आपका संपूर्ण जीवन सुव्यवस्थित एवं आनन्द से परिपूर्ण रूप से व्यतीत होगा। चाहे जो कुछ भी हो आप मात्र इसी संबंध में अन्वेषण करते रहते हो कि सुखी जीवन व्यतीत करने के लिए किस प्रकार क्या कार्य किया जाए-ताकि काफी लाभ हो, तथा आरामदायक जीवन यापन हेतु अन्य लोगों पर अपना प्रभाव डाला जाए। आप धनोपार्जन कर मित्रों की प्रसन्नता एवं भरण-पोषण देखभाल के साथ-साथ अपना वैवाहिक जीवन भी आनन्दपूर्वक व्यतीत करना चाहते हैं।

आप अपनी पत्नी की सभी बातें मानेंगे। आप अपनी पत्नी के साथ संभोगात्मक प्रदर्शन हेतु प्रेम संबंधित वृष्टि करते रहेंगे। आप सदैव दूसरों की दृष्टि के संबंध में कुछ बढ़ा-चढ़ा कर बातें करेंगे। लेकिन आप में नितांत संमोहक गुण विद्यमान है। आप सुंदरता का मूल्यांकन अपनी पसंद से करने में बहुत पसंदीदा व्यक्ति हैं।

आपके आवासीय साज-सज्जा उपयुक्त है ऐसा संदेह है। आप सदैव अच्छी प्रकार सुंदर चीजों को देखना चाहते हैं। आप ऐसा चाहते हैं कि आपका घर अच्छी साज-सज्जाओं से सुसज्जित रहे तथा छोटी-छोटी कलात्मक वस्तुएं घर की शोभा बढ़ाकर विशिष्ट प्रकार से दृश्य हो। यह कोई महत्त्व की बात नहीं कि उन वस्तुओं की कीमत क्या है। आप इन सभी कार्य को करने के लिए समर्थ हैं क्योंकि आप धनी हों आप इन चीजों के मूल्य में किसी प्रकार की कटौती नहीं करना चाहते। आप अपने वैचारिक योजना के अनुरूप अपनी कुशाग्रबुद्धि के अनुसार कार्य को पूर्ववत् करना चाहते हैं। आप एक शिक्षित व्यक्ति की तरह उद्यमपूर्वक अधिक मात्रा में इन वस्तुओं को प्राप्त करना चाहते हैं। मुख्यतः आपके जीवन को 30 वें वर्ष से 35 वें वर्ष के मध्य आपका समय लाभप्रद रहेगा।

आपको विश्वास है कि आपका भविष्य दर्शनीय होगा। अतएव आप ऐसा अनुभव करते हैं कि समन्वित साहसिक प्रयास से घरेलू वातावरण दर्शनीय हो जाएगा। आप अपने पसंदीदा मित्रों की नजरों में अथवा उनके दृष्टिकोण से शक्ति संपन्न दृश्य होना चाहते हैं। यह प्राप्त करना तब ही संभव है कि आप अपने कर्म व्यवसाय का संपादन बिना किसी भी संक्षिप्ता, भय अथवा आशंका की बिन्दु मात्र के ही करे तब ही संभाव्य है।

आप अपने जीवन के आध्यात्मिक पक्ष को बिना अदृश्य किए अर्थात् बिना महत्वहीन किए प्रायः सभी पक्ष से संभाव्य सफलता के लिए चिंतित एवं प्रयत्नशील रहेंगे। आप अपने अतिरिक्त समय में आध्यात्मिक दर्शन के संबंध में शिक्षा प्राप्त कर प्रदर्शित करना चाहते हैं। आप कतिपय परोपकारी कार्य संपादन कर अपने मित्रों एवं भाईयों को सहयोग प्रदान

करेंगे।

आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परंतु इसका अर्थ यह नहीं है कि आप संभाव्य कतिपय रोगादि के प्रति सावधानी नहीं बरतें यथा मूत्र विकार, एकज्मिा, फोड़े फुन्सी। यद्यपि कुछ दिनों का आंशिक रोग है तथापि इन रोगों के प्रति भी सर्तकता बरतनी चाहिए।

कुछ असंभावित रोगों के प्रति घटना क्रमानुसार समय-समय पर रोग परीक्षण एवं समयानुकूल भोजनादि पर ध्यान देना चाहिए।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

यदि आप अपने व्यवहार हेतु अंक 1, 2, 4 एवं 7 अंक का प्रयोग करें, तो यह दिन आपके लिए लाभकारी प्रमाणित होगा। परंतु अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक किसी भी दशा में अव्यवहृत हैं।

आपके लिए रंग हरा एवं पीला रंग अनुकूल नहीं है। परंतु आपके लिए स्पष्ट रूप से नारंगी, लाल, उजला रंग अत्याधिक लाभप्रदायक रंग है।